काम आता है सिर्फ टेलेंट

मेरा मानना है कि भारत में बहुत कम अच्छी हॉरर फिल्में बनती हैं और जो बनती हैं, उन्हें फैमिली ऑडियंस नहीं देख पाती. जबकि हॉलीवुड की हॉरर फिल्मों के दर्शक सभी आयुवर्ग और जेंडर के होते हैं. मुझे खूब याद है बचपन में मैं और साकिब डरावनी फिल्में देखा करते थे चाहे वे इंडियन हो या विदेशी. इसके अलावा उन दिनों जो हॉरर शो आया करता था, वह भी हमारा पसंदीदा शो हुआ करता था.

हुमा कुरैशी आज के दौर की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जिन्होंने अपने करियर में गैर-पारंपरिक किरदार चुने. उनके करियर की शुरुआत ही गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्म से हुई. उसके बाद फिल्म बदलापुर में उनके किरदार को बहुत तारीफ मिली. अक्षय कुमार के साथ पिछले दिनों जहां वह हिट फिल्म जॉली एल.एल.बी 2 में दिखाई दीं. वहीं आने वाले दिनों में कई अलग-अलग तरह की फिल्मों में नजर आने वाली हैं. गुरिंद्र चढ्ढा निर्देशित वायसरायज हाउस से वह हॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं. इसके अलावा 2014 में आई हॉलीवुड की हॉरर फिल्म ओक्युलस की हिंदी रीमेक दोबारा में वह पहली बार अपने भाई साकिब सलीम के साथ भी नजर आईं. पेश है, उनसे हुई एक बातचीत के प्रमुख अंश-

-आप फिल्में किस आधार पर चुनती हैं. आप अच्छे किरदार को तरजीह देती हैं या...?

देखिए कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो बहुत अच्छी होती हैं और जिनमें बहुत अच्छा मैसेज होता है तो आप उसका हिस्सा बनना चाहते है लेकिन नॉर्मली मैं स्क्रिप्ट और अपना रोल देखती हूं. किसी एक पहलू को लेकर फिल्म को जज नहीं किया जा सकता. सारी चीजें देखनी पड़ती हैं.

-बॉलीवुड में अभिनेत्रियों को एक खास तरह सांचे में ढालने की कोशिश की जाती है. आपकी इस बारे में क्या राय है?

हर अभिनेत्री को एक खास तरह के सांचे में भला कैसे ढाला जा सकता है, क्योंकि मेरा मानना है कि हर कोई अलग है. सभी यूनीक हैं. चाहे मर्द हो या औरत, खासतौर पर औरतों को हमें ओरिजिनल रहने के लिए बढ़ावा देना चाहिए. वह ओरिजिनालिटी जो भी हो, उसकी सोच हो, कपड़े पहनने का ढंग हो, बॉडी टाइप हो या कोई शौक हो. भेंडचाल नहीं होनी चाहिए. अगर आप ऐसी दिखती है तो कूल है और अगर ऐसा नहीं करती है तो कुल नहीं है.

-फिल्म इंडस्ट्री में कम्पीटीशन आम बात है. क्या आप भी ऐसा अनुभव करती हैं?

मैं किसी से प्रतियोगिता करने की बजाय अपने काम को लेकर ज्यादा पैशनेट हूं. मैं दूसरी एक्ट्रेसेज से इंस्पायर्ड तो जरुर होती हूं कि उन्होंने बहुत अच्छा काम किया. कम्पीटीशन का मुझे नहीं पता, क्योंकि अगर वही किरदार मुझे निभाने को दिया जाता, तो मैं शायद बहुत अलग तरीके से करती. मैं यह नहीं कहती कि कौन बेहतर है, पर अच्छी बात यह है कि आज सभी एक्टर्स के लिए अच्छे रोल लिखे जा रहे हैं और सभी को अपना टेलेंट दिखाने का मौका मिल रहा है.

'दोबारा' में आपने अपने भाई के साथ काम किया. यह आइडिया किसका था?

मुझे फिल्म के प्रोड्यूसर का फोन आया था कि क्या तुमने हॉलीवुड की फिल्म 'ओक्युलस' देखी है जो 2012 की सुपरहिट फिल्म थी. मैंने कहा- नहीं फिर उन्होंने बताया कि वह भाई-बहन पर आधारित सुपर नेचुरल कहानी है. अगर आप फिल्म करने में दिलचस्पी लेती है, तो फिर मैं आगे बात करुंगा. साकिब से मैं बात कर चुका हूं. मैंने फिल्म देखी, उसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, इसलिए मैं फिल्म करने के लिए तैयार हो गई.

- हॉलीवुड और बॉलीवुड की हॉरर फिल्मों में क्या अंतर पाती हैं?

मेरा मानना है कि भारत में बहुत कम अच्छी हॉरर फिल्में बनती है और जो बनती हैं, उन्हें फैमिली ऑडियंस नहीं देख पाती जबकि हॉलीवुड की हॉरर फिल्मों के दर्शक सभी आयुवर्ग और जेंडर के होते हैं. मुझे खूब याद है बचपन में मैं साकिब डरावनी फिल्में देखा करते थे. चाहे वे इंडियन हों या विदेशी. इसके अलावा उन दिनों जो हॉरर शो आया करता था, वह भी हमारा पसंदीदा शो हुआ करता था.

-अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'वायसरायज हाउस' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बेहतरीन अनुभव रहा, क्योंकि यह प्रसिध्द डायरेक्टर गुरिंद्र चढ्ढा की फिल्म थी. वैसे भी यह चूंकि मेरी पहली हॉलीवुड फिल्म थी, इसलिए इसे लेकर उत्साह लाजिमी था. इस फिल्म में एक स्ट्रॉन्ग मुस्लिम लड़की आलिया और एक हिंदू लड़के के बीच की अनूठी प्रेम कहानी दिखाई गई थी. यह बहुत सोलफुल फिल्म थी. हालांकि, यह भारत-पाक विभाजन पर आधारित एक पीरियड फिल्म थी, जो उस वक्त की कहानी है, जब लड़कियां उतना खुलकर नहीं बोल पाती थीं.

- आपकी पर्सनालिटी रफ-टफ अभिनेत्री की है. क्या इसका कभी नुक्सान भी उठाना पड़ा?

बिल्कुल नहीं, क्योंकि मैं बॉलीवुड की पहली ऐसी अभिनेत्री नहीं हूं, जो छुई-मुई या कोमलांगी नहीं है. मुझ जैसी पर्सनालिटी वाली कई अभिनेत्रियां यहां पहले भी काम कर चुकी हैं और आज भी काम कर रही हैं. मैंने पहले भी कहा है कि बॉलीवुड में हर तरह के कलाकार के लिए बहुत काम है. हालांकि चॉकलेटी चेहरे लोगों को जरुर लुभाते हैं, लेकिन आखिरकार टैलेंट ही काम आता है.

- आपके लिंकअप की जब खबरें आती हैं, तो कैसा अनुभव करती हैं आप इस सबसे?

देखिए सच्चाई को आप लाख छिपाना चाहें, वह छिप नहीं सकती. इसलिए हमेशा ईमानदार रहना चाहिए. भले ही मेरा नाम कुछ लोगों के साथ जोड़ा गया हो या जोड़ा जाता रहा हो, लेकिन सब यह भी जानते हैं कि मेरी जिंदगी में वाकई क्या चल रहा है.

नूपुर झा

बहुत बिजी हूं मैं : जूही चावला

जूही चावला ने सन् 1986 में फिल्म 'सल्तनत' से अपने अभियन करियर की शुरुआत की थी. उनकी दूसरी फिल्म 'कयामत से कयामत तक' ने तो उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था. तब से अब तक वह लगातार फिल्मों और टी.वी. में सक्रिय हैं. वर्तमान में वह एक धार्मिक सीरीज 'शरणम्-सफर विश्वास का' के लिए वॉयस ओवर कर रही हैं. पेश हैं उनसे एक बातचीत के अंश-

-'शरणम-सफर विश्वास का' में आप केवल वॉयस ओवर ही कर रही हैं. ऐसा क्यों?

देखिए, यह सब मंदिरों से जुड़ा हुआ एक ट्रैवल शो है. मुझे तो सारे मंदिरों में जाकर और कैमरे के सामने भी काम करने की मंशा थी किन्तु इनके पास बजट ही नहीं था. खैर मैं बहुत खुश हूं. इन सारे मंदिरों के बारे में मुझे वॉयस ओवर द्वारा ढेर सारी जानकारी देनी है. इससे मेरा खुद का भी बड़ा फायदा हुआ है. मुझे इन सब मंदिरों के बारे में थोड़ी-बहुत तो जानकारी थी ही परंतु अब बहुत जानकारी मिल गई है.

-आज भी आप बहुत काम कर रही हैं. कितनी सन्तुष्टि मिलती है आपको?

आज जीवन के इस पड़ाव पर भी मैं व्यस्त हूं, यह मेरे लिए अच्छी बात है. हाल ही में मैंने अपनी कंपनी में बतौर बोर्ड मेंबर ज्वाइन किया है. जब भी मैं जाती हूं सारे पेपरों की बराबर जांच पड़ताल करती हूं. मुझे पैसों का हिसाब रखना नहीं आता क्योंकि मैं क्रिएटिव हूं और नंबर भूल जाती हूं.

-सोशल फ्रंट पर भी आप बहुत कुछ कर रही हैं?

ईश्वर की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इतना कुछ दिया है. मैं कभी भी उनसे कुछ नहीं मांगती. इस बात से खुशी मिलती है कि ईश्वर ने मुझे मानवजाति के लिए कुछ करने हेतु प्रेरित किया है और मैं वही काम चुनती हूं जो करने में मुझे आनंद आता है. जब से मुझे प्लास्टिक से जुड़े हानिकारक केमिकल्स के बारे में पता चला है, मुझे जहां कभी भी लेक्चर देने का मौका मिले तो इस बारे में लोगों को जरुर अवगत करवाती हूं. प्लास्टिक मछलियों के पेट में जाता है. नदियों में बह कर सदियों तक मानवजाति के लिए हानिकारक साबित हो सकता है. इसलिए प्लास्टिक का सेवन हमें बिल्कुल बंद कर देना चाहिए.

-आपकी कन्नड फिल्म 'टेन ऑन टेन कब' रिलीज होगी?

'टेन ऑन टेन' एक बहुत ही बेहतरीन बच्चों पर आधारित फिल्म है. हाल ही में हैदराबाद में एक फिल्म फेस्टिवल में यह दिखाई गई. इसमें मेरा एक कैमियो है.

- हाल ही में आपने अपना जन्मदिन मनाया, आपको बच्चों से और पति से क्या गिफ्ट मिले?

देखिए बच्चे जब छोटे-छोटे होते थे तो कार्ड्स इत्यादि बनाकर मुझे भेंट करते थे हां, प्यार तो करते ही हैं. मैंने इस वर्ष एक प्लान बनाया है. हम चारों फैमिली मेंबर्स में, मेरे पति और बच्चे दिसंबर माह में गोल्डन टैंपल जाएंगे और हर वर्ष जब भी मेरा जन्मदिन होगा हम सब किसी न किसी मंदिर के दर्शन करने जाएंगे.

- क्या आप हिंदी फिल्में भी कर रही हैं और वह कौन-कौन सी है?

मैं एक प्रोड्यूसर के साथ एक फिल्म फाइनल करने जा रही हूं. इसमें मेरा अच्छा किरदार है. फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो बेहद पसंद आई इसीलिए अंत में हामी भर दी. इसमें मेरे साथ अनिल कपूर जी हैं. यह एक मजेदार फिल्म है और किरदार भी लवली एवं फनी है.

- सुना है कि हाल ही में आपने शाहरुख की फिल्म भी शूट की है? क्या आप हमें डिटेल्स बताएंगी?

जी हां. इसी बहाने मेरी शाहरुख से भेंट भी हो गई. शाहरुख जब भी मेरे घर आने का वायदा करते हैं, तो वह चार घंटे लेट ही पहुंचते हैं. वह बस यूं ही मेरी हंसी उड़ाते हैं कि मैं जल्दी सो जाती हूं. अरे भई यदि तुम समय से चार घंटे लेट आओगे वह भी रात में 2 बजे... तो मैं सो ही जाऊंगी न?

और आगे जाना हैः नेहा धूपिया

नेहा धूपिया एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जो एक ही समय पर कई काम कर सकने में माहिर हैं. पिछले समय में वह 'हिंदी मीडियम' तथा 'करीब-करीब सिंगल' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं. इन दोनों फिल्मों में जिंदगी से जुड़ी हुई कहानियां थीं और हल्के फुल्के ढंग से आधुनिक समय की वास्तविकता को दर्शाया गया था. अभी हाल ही में रिलीज हुई उसकी फिल्म 'तुम्हारी सुलु' भी कुछ इसी तरह की है, जिसमें नेहा ने विद्या बालन की बॉस मारिया का किरदार निभाया है. नेहा का मानना है कि यह फिल्म भी एक आम महिला की कहानी की तरह है. हम अक्सर महिला सशक्तिकरण की बात कहते हैं, परंतु ऐसा हो नहीं पाता. इस फिल्म में सुलु यानी विद्या बालन यही दिखाती है कि एक महिला सब कुछ कर सकती है. एक महिला एक ही समय में गृहिणी भी हो सकती है और साथ ही जॉब भी कर सकती है. नेहा को इस फिल्म में निभाया अपना किरदार बहुद पसंद है. उसका कहना है कि मारिया सिर्फ एक बॉस नहीं हैं, वह सुलु को हर तरह से सपोर्ट करती हैं. हालांकि हम दोनों जिंदगी में एक जैसा ही कुछ चाहती हैं, फिर भी हम दोनों एक दूसरी से अलग हैं. सुलु जहां सपने देखना पसंद करती है वहीं मेरा किरदार उसके सपनों को सच करने वाली उसकी बॉस का है. सुरेश त्रिवेणी जैसे नए और पुरुष डायरेक्टर द्वारा किसी महिला के बारे में ऐसी शानदार कहानी लिखना दिल को छू लेने वाली बात है.

नेहा को हर वक्त फिल्मों में नजर आती रहना पसंद नहीं है. उसके लिए कहानी में किरदार का ही सर्वाधिक महत्व है. वह कहती हैं, 'मेरे लिए स्क्रिप्ट ही है जिसका महत्व है, मैं शानदार कहानियों पर बनने वाली फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं. अब तक मैंने जितना सफर तय किया है उस पर मैं अधिक गर्व नहीं कर सकती. अभी मुझे और आगे जाना है.'

आशियाना ढूंढ रहीं कैटरीना

हाल ही में कुछ ऐसी खबरें सामने आई हैं जिनसे पता चलता है कि कैटरीना कैफ एक बार फिर से अपने पुराने अपार्टमेंट में चली गई हैं और उसने उस घर को छोड़ दिया है जिसमें वह अपने एक्स-ब्वॉयफ्रेंड रणबीर कपूर के साथ रह रही थीं. अब वह एक नए घर की तलाश कर रही हैं. इसका कारण यह है कि जिस बिल्डिंग में वह रह रही हैं, वह काफी पुरानी है. एक ब्रोकर ने इस संबंध में बताया, 'कैटरीना ने कई ब्रोकर्स को बुलाया है ताकि वे उसे कुछ अपार्टमेंट दिखा सकें. वास्तव में कुछ समय के लिए वह एक नई जगह ढूंढ रही हैं. समस्या यह है कि वह फ्लैट देखने जाती तो हैं, परंतु उसे कोई ढंग का फ्लैट नहीं मिलता है. ऐसा पिछले 8-9 महीनों से हो रहा है.'

उल्लेखनीय है कि करियर के बुरे दौर से गुजर रही कैटरीना का रणबीर के साथ काफी लंबे समय तक अफेयर रहा था, परंतु ब्रेकअप के बाद भी कैटरीना ने रणबीर के साथ फिल्म 'जग्गा जासूस' की थी और सूत्रों के अनुसार दोनों में अभी भी दोस्ती है.

सलमान-ऐश्वर्य आमने-सामने

एक वक्त था जब सलमान खान और ऐश्वर्य राय एक-दूजे के बेहद करीब थे, परंतु दोनों का कथित ब्रेकअप होने के बाद सब कुछ बदल गया. आज तो दोनों एक-दूसरे के सामने आने से भी बचते हैं. हालांकि, दोनों की अगली फिल्में जरुर दोनों का आमना-सामना करवाने वाली हैं.

दरअसल, ईद पर हमेशा सलमान अपनी फिल्म रिलीज करते रहे हैं और अगले वर्ष की ईद भी वह पहले से अपने लिए बुक करा चुके हैं, लेकिन उसके सामने ऐश्वर्य राय की फिल्म आ गई है. दूसरे शब्दों में कहें तो दोनों की फिल्मों में सीधा टक्कर होगी. अगले वर्ष ईद पर सलमान की फिल्म 'रेस-3' रिलीज होनी है. पूरा रास्ता साफ था लेकिन ऐश्वर्य की फिल्म 'फन्ने खां' को भी 15 जून की ईद पर रिलीज करने की घोषणा हो गई है. इसके बाद से ही सोशल मीडिया में सलमान खान बनाम ऐश्वर्य राय की जंग चर्चा का विषय बन गई है. हाल ही में इसका ऐलान सोनम कपूर ने भी ट्विटर पर कर दिया.

इनमें सलमान और ऐश्वर्य लीड में हैं तो इनका चर्चा में रहना स्वाभाविक है. वैसे दिलचस्प है कि आमतौर पर ईद पर सलमान से लोहा लेने की हिम्मत कम लोग रखते हैं. अब देखना होगा कि ऐश्वर्य उसे कितनी टक्कर दे पाती हैं.

दोनो फिल्में 'फन्ने खां' एक म्यूजिकल कॉमेडी है, जिसमें ऐश्वर्य के साथ अनिल कपूर और राजकुमार राव नजर आएंगे. यह ऑस्कर नॉमिनेटेड डच फिल्म 'एवरीबडी इज फेमस' (2000) की ऑफिशियल रीमेक है. इस फिल्म से अनिल और ऐश्वर्य की जोड़ी 2 दशक बाद बड़े पर्दे पर लौट रही है.

दूसरी ओर 'रेस-3' एक एक्शन फिल्म है जिसमें सलमान के साथ जैकलीन फर्नांडीस, बॉबी देओल, डेजी शाह और साकिब सलीम नजर आएंगे. 'फन्ने खां' की शूटिंग जहां पूरी होने वाली है, वहीं 'रेस-3' की शूटिंग हाल ही में शुरु हुई है.

दक्षिण को चली निधि अग्रवाल

फिल्म 'मुन्ना माइकल' में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट बॉलीवुड में कदम रखने वाली निधि अग्रवाल जल्द ही दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री का रुख करने जा रही हैं. दरअसल, यह नवोदित अभिनेत्री हिन्दी के बाद दक्षिण भारतीय फिल्म में भी डेब्यू करने जा रही हैं.

उसकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही ज्यादा नहीं चली, लेकिन इससे उसे अच्छी-खासी पहचान मिल गई है. वह आशुतोष गोवारिकर के साथ दूसरी बॉलीवुड फिल्म में आ चुकी हैं परंतु यह हिन्दी नहीं बल्कि दक्षिण की फिल्म है.

सूत्रों के अनुसार, निधि ने तेलगु भाषा की बड़ी फिल्म 'सव्यसाची' के लिए 'हां' कह दिया है, जिसकी शूटिंग इसी महीने शुरु हो सकती है. फिल्म की सारी शूटिंग एक बार में ही खत्म कर ली जाएगी, जिसके लिए निधि ने दिसंबर के मध्य तक की तारीखें दे दी हैं.

बॉलीवुड में पहली फिल्म के न चलने के बावजूद निधि को आशुतोष गोवारिकर की महिला प्रधान फिल्म मिलना उसके लिए सौभाग्य की बात है. फिल्म के लिए निधि को जनवरी में शूटिंग शुरु करनी है.

बॉलीवुड का आनंद

फिल्मों में कदम रखने के अपने फैसले के बारे में निधि बताती हैं, 'मेरा फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं था. मैं एक बिजनेस परिवार से हूं यहां आना बहुत मुश्किल था लेकिन अभी भी यह सब कुछ आसान नहीं है. पहले मुझे लगा कि मुझे एक फिल्म मिल गई तो सब कुछ मिल गया लेकिन यह बात सही नहीं है. आपको अपना काम सही तरीके से करना होता है. लोगों की अपेक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं. आपको हमेशा सुंदर दिखना होता है. आपके बारे में गॉसिप किया जाता है, लेकिन मैं इन सब का आनंद ले रही हूं.' वह कहती हैं, 'मैंने अभिनय के क्षेत्र में आने का फैसला वर्षों पूर्व लिया था. अब थोड़ी नर्वस हूं कि क्या मैंने अपना काम सही तरीके से किया है? क्या लोग मुझे पसंद करेंगे? खुद को पोस्टर्स में देखती हूं तो बहुत अच्छा लगता है कि मुझे वो सब करने का अवसर मिला जो मैं करना चाहती थी.'

गोरेपन के विज्ञापन से इंकार

हाल ही में निधि ने एक टॉप ब्रांड के सौंदर्य उत्पाद के विज्ञापन को करने से मना कर दिया. दरअसल, उसे गोरेपन के एक फेसवॉश के विज्ञापन के लिए संपर्क किया गया था, परंतु निधि का मानना है कि यह भेदभावपूर्ण चीज है जिसका प्रचार वह कभी नहीं करना चाहेंगी. सूत्रों के अनुसार, ब्रांड ने इसके लिए निधि को बढ़िया पैसे ऑफर किए थे, फिर भी निधि ने इससे इंकार कर दिया.